पटना
रविवार, १ सितम्बर, २०२४

आईजीआईएमएस में दिल के छेद से ग्रसित 10 बच्चों का हुआ ऑपरेशन

(आज समाचार सेवा)

पटना। आईजीआईएमएस में कार्डियोलॉजी विभाग में जन्मजात दिल में छेद वाले 10 बच्चों को सफल ऑपरेशन हुआ। संस्थान के कोर्डियोलॉजी विभाग में दो दिवसीय कंजेनिटल वर्कशॉप का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में बिना चीड़-फाड़ के बच्चों का सफल ऑपरेशन

किया गया। ये सभी बच्चे प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना, मुख्यमंत्री राहत कोष के योजना के तहत ऑपरेशन किया गया। कार्यशाला में त्रिवेन्द्रम के कार्डियोलॉजिस्ट डा.हरिकृष्णा मौजूद थे। कार्यशाला की अध्यक्षता कार्डियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा.रविविष्णु प्रसाद ने की। इसके अलावा सर्जरी में विभाग के डा.नीरव कुमार, डा.गौतम कुमार, डा.चन्द्रभानू चंदन, रेजिडेंट डॉक्टर सहित कैथ लैब की टीम शामिल थे।

हेलो डाक्टर

आबादी का 60 प्रतिशत से अधिक लोग मुंह के किसी न किसी रोग से पीड़ित हैं। असहनीय पीड़ा नहीं हो, तब तक उपचार टालने की प्रवृति से रोग जटिल स्थिति में पहुंच जाता है। दैनिक जागरण के लोकप्रिय कार्यक्रम हेलो डाक्टर में आइजीआइएमएस के दंत व मुंह चिकित्सा विभाग के एडिशनल प्रोफेसर सह कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री व एंडोडोंटिक्स के विभागाध्यक्ष डा. नवीन मिश्रा से फोन पर अपनी समस्याओं के बारे में परामर्श ले सकते हैं।

डा : नवीन मिश्रा

समय : सुबह 11 से 12 बजे तक
फोन नंबर : 9955993002

नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा के तहत निकला जागरूकता मार्च

जासं, पटना : आइजीआइएमएस के आई बैंक एवं दधीचि देहदान समिति के संयुक्त तत्ववधान, में 39वां नेत्रदान जागरूकता पखवाड़ा मनाया गया। इसके तहत नेत्रदान जगरूकता वाक निकाला गया, जो इंदिरा गांधी की मूर्ति के पास से निकलकर सुशील मोदी स्मृति पार्क में संपन्न हुआ। डा. विभूति प्रसन्न सिंहा, डा. नीलेश मोहन, बिमल जैन के नेतृत्व में डाक्टर, नर्स, दधीचि देहदान समिति के सदस्य एवं आमजन ने हिस्सा लिया। सभी लोगों को नेत्रदान-अंगदान हेतु सामूहिक संकल्प कराया।

Indira Gandhi Institute of Medical Sciences, Sheikhpura
P.R.O.

Protesting doctors launch telemedicine services in Kolkata

Over 500 patients attended to on first day of 'Abhaya Clinic', say doctors; health camps to be held across city every Sunday from 10 a.m. to 2 p.m.

Moyurie Som
KOLKATA

As protests against the rape and murder of a female doctor at Kolkata's R.G. Kar Medical College and Hospital (RGKMCH) crossed 21 days, protesting resident doctors from medical colleges in the city started telemedicine facilities for patients from Saturday.

According to an announcement by the West Bengal Junior Doctors' Front (WBJDF), resident doctors will hold telephonic consultations for patients from 10 a.m. to 2 p.m. on a daily basis from August 31. They have named the initiative 'Abhaya Telemedicine Clinic', after the name given to the victim.

"There is a roster, and every day, doctors from different medical colleges will go to RGKMCH to provide this facility," said a resident doctor who is part of the initiative, adding that they attended to over 500 patients on the first day.

Junior doctors of seven public and private medical colleges of the city who are part of the WBJDF, will conduct free-of-cost Abhaya Clinic health camps across the city every Sunday from 10 a.m. to 2 p.m.

Shreya Ghoshal cancels concert

KOLKATA
Playback singer Shreya Ghoshal postponed her "All Hearts Tour" scheduled for September 14 in Kolkata and wrote on her social media handles that she is "deeply affected by the gruesome and heinous incident that recently took place in Kolkata."

Doctors providing telemedicine services at the R.G. Kar Medical College and Hospital in Kolkata. SPECIAL ARRANGEMENT

IMA again demands law to safeguard doctors from violence

Press Trust of India
NEW DELHI

The Indian Medical Association (IMA) has written to the National Task Force (NTF), which has been mandated to formulate a protocol for ensuring the safety and security of healthcare professionals, again demanding a central law on violence against doctors and hospitals, and declaring hospitals as safe zones.

The IMA, in its letter to the National Task Force, formulated its submission in three sections

The IMA, in its letter, formulated its submission in three sections.

Firstly, putting forth its demand and justification for a central act, the IMA submitted its study, a draft proposal for Central Act, among others as annexures.

Reasoning that deterrence is the best form of prevention, the IMA said that unlike other measures, a strong central law will prevent violence across all sectors. It will serve as an enabling Act to the State legislations.

Secondly, for its demand for declaring hospitals as safe zones, the IMA said the concept of safe zones could be embedded in the proposed law as well.

Third, it demanded improving the working and living conditions of the resident doctors.

file
3/9/24

Scanned with CamScanner

पटना फ्रंट पेज

शनिवार, 24 अगस्त, 2024

कार्डियक इमरजेंसी समेत 4 सुविधाएं आज से होंगी बहाल

आईजीआईएमएसः राज्य में पहली बार कार्डियक इमरजेंसी सेवा शुरू

हेल्थ रिपोर्टर | पटना

राज्य में पहली बार आईजीआईएमएस में डेडिकेटेड कार्डियक इमरजेंसी की सुविधा शनिवार से शुरू होगी। कार्डियक इमरजेंसी की सुविधा कार्डियक केयर यूनिट (सीसीयू) के पास की गई है। कार्डियक इमरजेंसी में सात बेड की व्यवस्था होगी। हार्ट के मरीज को कभी भी किसी तरह की परेशानी होने पर सीधे अब कार्डियक इमरजेंसी में आएंगे।

कार्डियक इमरजेंसी की सुविधा नहीं होने से मरीज पहले सेंट्रल इमरजेंसी में आते थे। फिर वहां कार्डियोलॉजिस्ट को बुलाना पड़ता था। इसके बाद मरीज को विभाग में भेजा जाता था। इसमें समय अधिक बर्बाद हो जाता था। अब मरीज सीधे कार्डियक इमरजेंसी में जाएंगे। महत्वपूर्ण यह है कि हॉर्ट अटैक के मरीज यदि कार्डियक इमरजेंसी में आते हैं और यदि उन्हें प्राइमरी एंजियोप्लास्टी की जरूरत होगी तो उसी वक्त प्राइमरी एंजियोप्लास्टी कर दी जाएगी। इसके लिए 24 घंटे कैथ लैब भी खुला रहेगा। जिससे जब भी जरूरत पड़े उसी वक्त मरीज की प्राइमरी एंजियोप्लास्टी करके मरीज की जान बचाई जा सके। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नीरव कुमार के मुताबिक राज्य में किसी भी सरकारी या प्राइवेट अस्पताल में डेडिकेटेड कार्डियक इमरजेंसी की सुविधा नहीं है। सरकारी सेटअप में पहली बार आईजीआईएमएस इसकी सुविधा बहाल की है।

24 घंटे जारी रहेगी सेवा

इसके अलावा संस्थान के गैस्ट्रो मेडिसिन विभाग में करीब 3.25 करोड़ की लागत डिजिटल रेडियोग्राफी मशीन की व्यवस्था की गई है। विभाग के हेड डॉ. वीएम दयाल के मुताबिक इसमें पेट, लिवर, गॉल ब्लाडर से संबंधित बीमारियों का इलाज बगैर चीरफाड़ के किया जा सकेगा। इसके अलावा बगैर चीरा लगाए गॉल ब्लाडर से स्टोन निकालने में भी मदद मिलेगी। लीवर की बीमारी किस स्थिति या स्टेज की है, इस मशीन से पता लगाया जा सकेगा। इन सभी सुविधाओं के अलावा तीन बैंक के एटीएम का उद्घाटन शनिवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय करेंगे। इसके अलावा कैंपस में स्थित एक बैंक के ब्रांच का विस्तार किया गया है और तीन बैंकों के एक-एक एटीएम की सुविधा बहाल की गई है।

हिन्दुस्तान

पटना
शनिवार
24 अगस्त 2024

आईजीआईएमएस में चार सुविधाओं का आज होगा उद्घाटन

पटना। आईजीआईएमएस में शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय चार नई सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे। आईजीआईएमएस के उप निदेशक डॉ.विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि सुबह 11:55 बजे स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय और दीघा विधायक संजीव चौरसिया संस्थान में आएंगे।

संस्थान परिसर में तीन बैंकों की एटीएम मशीन, कार्डियोलॉजी विभाग में प्राइमरी एंजियोप्लास्टी के लिए कार्डियक इमरजेंसी, ईयूरस स्वीट्स रूम, नवनिर्मित इंडियन बैंक और गैस्ट्रो मेडिसिन में डिजिटल रेडियोग्राफी मशीन का उद्घाटन करेंगे।

File
29/8/24

Scanned with CamScanner

आइजीआइएमएस. 28 साल का हुआ हृदय रोग विभाग, बनेगा तीसरा कैथलैब

हृदय रोग के लिए अब 24 घंटे इमरजेंसी सेवा

एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी की सुविधा अब 24 घंटे संभव

संवाददाता, पटना

आइजीआइएमएस का हृदय रोग विभाग 24 अगस्त यानी आज 28 साल का हो गया. 24 अगस्त, 1996 में इस विभाग की स्थापना की गयी थी. तब से लेकर अब तक विभाग में कई चिकित्सकीय सुविधाओं को लेकर बदलाव किये गये. संस्थान के आंकड़ों के मुताबिक बीते 28 साल में अब तक यहां 10 हजार मरीजों का आइपीडी में भर्ती कर इलाज किया गया. जबकि 24 हजार मरीजों का कैथलैब में इलाज हुआ. हृदय रोग के मरीजों का 24 घंटे इमरजेंसी इलाज मिलने के लिए यहां अलग से एक और कैथलैब की सुविधा बहाल होने जा रही है, जो संस्थान का तीसरा कैथ लैब होगा. जल्द ही हार्ट के मरीजों को 24 घंटे इमरजेंसी सेवा मिलने लगेगी.

24 घंटे मिलेगी इमरजेंसी सेवा, खरीदे गये हैं उपकरण : संस्थान के हृदय रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रवि विष्णु ने बताया कि हृदय रोग विभाग में अब 24 घंटे इमरजेंसी सेवा मिलने लगेगी. आवश्यक उपकरण विभाग द्वारा लगाये जा रहे हैं. इस सेवा के शुरू होने से सबसे अधिक लाभ हार्ट के गंभीर मरीजों को होगी.

पहले शाम छह बजे तक ही होती थी एंजियोप्लास्टी : डॉक्टरों ने बताया कि हृदय रोग विभाग में 24 घंटे इमरजेंसी सेवा शुरू होने से एंजियोप्लास्टी और एंजियोग्राफी की सुविधा मरीजों को 24 घंटे मिलने लगेगी. वर्तमान में शाम छह बजे के बाद यह सुविधा बंद हो जाती है. इस सेवा के शुरू होने के बाद आइजीआइएमएस राज्य का पहला सरकारी अस्पताल बन जायेगा, जहां 24 घंटे एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध होगी. इसके अलावा 200 बेड के हृदय रोग विभाग का अलग से अस्पताल बनना प्रस्तावित है. इस नये अस्पताल के बनने से हृदय रोग के मरीजों को एक छत के नीचे भर्ती से लेकर पैथोलॉजी जांच की सुविधा मिलेगी.

आज स्वास्थ्य मंत्री चार सुविधाओं का करेंगे उद्घाटन

पटना. आइजीआइएमएस में मरीजों के लिए शनिवार को चार नयी सुविधाएं शुरू होंगी. इसका उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे करेंगे. आइजीआइएमएस के उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि सुबह 11.55 पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, विधायक संजीव चौरसिया संस्थान में आयेंगे. यहां मरीज व उनके परिजनों के लिए तीन अलग-अलग बैंकों से पैसे की निकासी के लिए एटीएम, कार्डियोलॉजी विभाग में प्राइमरी एंजियोप्लास्टिक के लिए कार्डियक इमरजेंसी, इंट्रूस मीटिंग रूम, नवनिर्मित इंडियन बैंक और रेस्पिरेटरी मेडिसिन में डिजिटल रेडियोग्राफी मशीन की सुविधा मरीज व उनके परिजनों को देंगे. डॉ विभूति ने बताया कि इन सुविधाओं के शुरू होने से मरीजों व उनके परिजनों को काफी राहत मिलेगी. पहले सीमित संख्या में एटीएम होने से मरीजों के परिजनों को कैश के लिए कैंपस से बाहर जाना पड़ता था.

एक नजर में आइजीआइएमएस का हृदय रोग विभाग

- सीसीयू में 17 बेड और आइसीयू इमरजेंसी में 6 बेड है
- 30 बेड का जनरल वार्ड है
- हर साल 80000 मरीज ओपीडी में
- एडवांस कैथ लैब जहां दिल में छेद, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर समेत सभी सुविधाएं
- आइपीडी में अब तक 10000 मरीजों को भर्ती किया गया है
- कैथ लैब में 24000 मरीजों का इलाज हुआ

File

Scanned with CamScanner